भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण एवं त्रिपुरा सरकार

का

एक सहयोगपूर्ण प्रयास

1. त्रिपुरा राज्य में बीमा जागरूकता अभियान का आरम्भ 8 जनवरी 2015 को अगरतला में त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री श्री माणिक सरकार द्वारा किया गया। यह अभियान भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण एवं त्रिपुरा सरकार का एक सहयोगपूर्ण प्रयास है।
2. इस अभियान का उद्देश्य त्रिपुरा राज्य में 100 प्रतिशत वित्तीय साक्षरता और 100 प्रतिशत वित्तीय समावेशन को प्राप्त करना है। एक व्यापक दायरे में गतिविधियों के माध्यम से दो वर्ष की बाह्य समय-सीमा के अंदर इस उद्देश्य को पूरा करने का प्रस्ताव है और इसके लिए एक बहु-संस्थागत दृष्टिकोण (बीमाकर्ता, जीवन और साधारण बीमा परिषदें, बैंक, वित्तीय साक्षरता केन्द्र, सामान्य सेवा केन्द्र आदि) और बहुविध कार्यनीति (राज्य और जिला स्तरों पर सेमिनार, ग्राम अभिग्रहण, छात्रों को शिक्षा , - प्रिंट और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग, शैक्षणिक सामग्री का वितरण आदि) को अपनाया जाएगा।
3. श्री ए. जिंदल, सचिव, वित्त, त्रिपुरा सरकार ने सहभागियों का स्वागत किया। श्री जी. के. राव, मुख्य सचिव, त्रिपुरा सरकार ने राज्य में बीमा जागरूकता को बढ़ाने और इसके द्वारा वित्तीय समावेशन का संवर्धन करने के लिए एक अभियान की आवश्यकता का संदर्भ निश्चित करते हुए त्रिपुरा राज्य की जनसांख्यिकी (डिमाग्रफी) और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की।
4. अपने संबोधन में श्री भानुलाल साहा, माननीय वित्त मंत्री, त्रिपुरा सरकार ने दैनिक जीवन में जोखिम के आर्थिक प्रभाव का सामना करने और इसे सामाजिक और आर्थिक तौर पर लाभकारी बनाने के लिए जीवन, संपत्ति, व्यवसाय और स्वास्थ्य का बीमा करने के महत्व और आवश्यकता पर बल दिया।
5. श्री टी. एस. विजयन, अध्यक्ष, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने यह सुनिश्चित करते हुए आईआरडीएआई द्वारा की गई पहलों की एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की जिससे देश में बीमा का विस्तार करने के लिए पर्याप्त बुनियादी संरचना का निर्माण किया गया है जिसके अंतर्गत सरकारी और निजी क्षेत्रों में अधिकाधिक संख्या में बीमाकर्ता, बड़ी संख्या में और विविध प्रकार के बीमा मध्यवर्ती, एक व्यापक दायरे में बीमा उत्पाद तथा एक उचित रूप से सशक्त विनियामक, पर्यवेक्षी और पॉलिसीधारक संरक्षण का ढाँचा शामिल हैं। उन्होंने सदस्यों को आईआरडीएआई द्वारा की गई उपभोक्ता शिक्षण संबंधी विभिन्न पहलों और भविष्य में करने के लिए आयोजित पहलों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बीमे की बुनियादी संरचना के होते हुए, जनसाधारण के सदस्य जब बीमा की आवश्यकता और उसके लाभ समझेंगे, तब बीमा की माँग अपने आप बढ़ेगी, जो स्वयमेव अधिकाधिक बीमा समावेशन के लिए प्रेरणा देगी।

6. त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री श्री माणिक सरकार ने बीमा क्षेत्र का विनियमन और विकास करने में वर्षों से आईआरडीएआई द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की। उन्होंने त्रिपुरा राज्य में बीमा समावेशन की संभावना पर अपने विचार व्यक्त किये और कहा कि इसे प्राप्त किया जा सकता है बशर्ते कि राज्य में जनसाधारण के सदस्यों और व्यवसायियों को बीमा के लाभों से अवगत कराया जाए। उन्होंने राज्य की सभी - सरकारी, गैर-सरकारी, शैक्षणिक आदि संस्थाओं से अनुरोध किया कि वे बीमा जागरूकता को बढ़ाने के कार्य में सक्रिय रहें ताकि दो वर्ष के निर्धारित समय से काफी पहले ही लक्ष्य की प्राप्ति की जा सके। त्रिपुरा राज्य 100% बीमा साक्षरता प्राप्त और 100% बीमा समावेशन प्राप्त न केवल बीमा और स्वास्थ्य, बल्कि गैर-जीवन बीमा में भी होगा, जिससे देश में यह एक मॉडल राज्य सिद्ध होगा। उन्होंने बीमा जागरूकता अभियान हेतु त्रिपुरा राज्य का चयन करने के लिए आईआरडीएआई को धन्यवाद दिया और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में राज्य के समूचे तंत्र के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने त्रिपुरा में बीमा जागरूकता अभियान की कार्य-योजना की रूपरेखा दर्शानेवाली पुस्तिका का विमोचन किया। अप्रामाणिक रूप से कॉल करनेवालों के कारण उत्पन्न संकट को नियंत्रित करने के लिए आईआरडीएआई ने त्रिपुरा राज्य के लिए प्रस्तावित बीमा जागरूकता अभियान की कार्य-योजना की झलक दिखानेवाले एक वृत्त-चित्र के साथ एक अखिल भारतीय टीवी अभियान प्रारंभ किया है। इस अवसर पर छल-कपटपूर्ण अप्रामाणिक तौर पर कॉल करनेवालों के विरुद्ध आईआरडीएआई के विज्ञापन अभियान के अंतर्गत एक विज्ञापन का बंगाली रूपांतर भी शुरू किया गया।

7. उक्त अभियान के उत्सव में पंचायतों, स्थानीय सरकारी निकायों, जिला प्रशासन, बीमा क्षेत्र, उपभोक्ता निकायों, बीमा परिषदों, प्रेस के सदस्यों आदि का प्रतिनिधित्व करनेवाले 250 से भी अधिक सहभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आईआरडीएआई की `बीमा का परिचय', `बीमा क्षेत्र में रोजगार के अवसर' और उचित खरीद पर फोकस करनेवाली `बीमा संबंधी हस्तपुस्तिका' शीर्षक पुस्तिकाओं का विमोचन भी उल्लेखनीय रहा।